राजस्थान सरकार
निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाये, राजस्थान, जयपुर
स्टेट हैल्थ सोसायटी (एन.सी.डी.)
E-mail ID<npcdcsrajasthan@gmail.com>
एनपीएचसीई

क्रमांकः एनपीसीसीएचएच/2024/319 दिनांक 03.06.2024

1. समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी,
2. समस्त उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वा०) एवं नोडल अधिकारी (एनपीसीसीएचएच), राजस्थान ।
3. समस्त प्रमुख चिकित्सा अधिकारी/अधीक्षक, राजस्थान

विषयः– विश्व पर्यावरण दिवस (05 जून 2024) पर जनजागरुकता गतिविधियों के आयोजन कम में।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि जन सामान्य को पर्यावरण के महत्व से परिचित करवाकर इसके संरक्षण के प्रयास हेतु सम्पूर्ण विश्व में प्रतिवर्ष 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व पर्यावरण दिवस पर वर्ष 2024 की थीम **"Land restoration, desertification and drought resilience" (भूमि पुनर्स्थापन, मरुस्थलीकरण और सूखा लचीलापन)** यथा मरुस्थलीकरण से निपटने के लिए संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन के अनुसार, ग्रह की 40 प्रतिशत भूमि खराब हो गई है, जिसका सीधा असर दुनिया की आधी आबादी पर पड़ रहा है है।

इसी परिप्रेक्ष्य में राज्य में संचालित नेशनल प्रोग्राम ऑन क्लाइमेट चेंज एण्ड ह्यूमन हैल्थ (NPCCHH) कार्यक्रम के अन्तर्गत Green enviromental friendly activities के तहत विभिन्न विभागों यथा वन एवं पर्यावरण, प्रदूषण नियंत्रण, यातायात, खनिज, शिक्षा एवं सामाजिक संस्थाओं आदि से समन्वय स्थापित कर थीम आधारित जन–जागरूकता गतिविधियों के आयोजन कराये जायें।

1. पर्यावरण प्रदूषण का मानव स्वास्थ्य पर होने वाले खतरों से बचाव संबंधित जानकारी के संदेश के प्रचार प्रसार के साथ अधिक से अधिक लोगों को वृक्षारोपण के प्रति प्रेरित करे।
2. पर्यावरण संरक्षण हेतु विभाग मे कार्यरत समस्त अधिकारीगण/कर्मचारीगण अधिक से अधिक या कम से कम एक से दो पौधे अपने संस्थान, आवास एवं सार्वजनिक स्थल पर अवश्य लगाए एवं उसकी देख रेख की जिम्मेदारी भी लेवे। उक्त दिवस पर स्थानीय जन प्रतिनिधि, समाजसेवी सस्थाओं एवं भामाशाहों के द्वारा संस्थान मे वृक्षारोपण कराया जाये।
3. वृक्षारोपण कार्यक्रम के तहत स्कूल कॉलेज, सरकारी भवनों, सार्वजनिक स्थलों पर अधिक से अधिक पेड लगाकर पर्यावरण बचाने के संदेश का प्रचार करेगे चुँकि पेड हमेशा धूल एवं प्रदूषण के तत्वों को समाप्त करते रहते है, ये पानी के चक्र का नियमितीकरण करते रहते है।
4. जलवायु परिवर्तन की घटनाओं जैसे गर्मी की लहरे, बाढ, वायु प्रदूषण की घटनाओं और अपशिष्ट प्रबंधन पर जागरूकता और संवेदनशीलता।
5. स्टेक होल्डर के साथ संगोष्ठी कार्यशालाओं का आयोजन प्रचार–प्रसार सामग्री का वितरण।
6. धुआ रहित ईथन के उपयोग पर ध्यान केंद्रित करावे।

नोट :– वायु प्रदूषण एवं जलवायु परिवर्तन से संबंधित गाईडलाईन एवं आईईसी सामग्री (बजट सहित) आपको ईमेल पर तथा नोडल ऑफिसर की दिनांक 20 व 21.03.2024 को आयोजित कार्यशाला में हार्ड एवं साफ्ट कॉपी मे उपलब्ध करायी गयी है।

3/6/24
निदेशक (जन स्वा०)
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें
राजस्थान जयपुर

क्रमांकः एनपीसीसीएचएच / 2024 / 319 दिनांक 03.06.2024

प्रतिलिपिः निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :–

1. निजी सचिव, अति० मुख्य सचिव महोदया, चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग, जयपुर ।
2. निजी सचिव, मिशन निदेशक (एनएचएम), चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, जयपुर ।
3. निजी सचिव, महानिदेशक, एनसीडीसी, भारत सरकार ।
4. निजी सहायक, निदेशक (जन स्वा.), चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, जयपुर।
5. समस्त संयुक्त निदेशक, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, जोन, राजस्थान ।
6. समस्त चिकित्सा प्रभारी अधिकारी, एसडीएच / सैटेलाईट / सीएचसी / पीएचसी एवं आयुष्मान आरोग्य मन्दिर, राजस्थान।
7. प्रभारी, सर्वर रूम, मुख्यालय को भेज कर लेख है कि विभागीय वेबसाइट पर अपलोड करावें।
8. कार्यालय प्रत्ति ।

निदेशक (जन स्था०)
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें
राजस्थान जयपुर

C:\Users\us\Downloads\Hindi Letter NCD Third File HSK 1544.doc